वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 227 | रविवार 14 दिसम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@... पेज 2

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पद्मावती पब्लिक स्कूल, मानसरोवर में रेड कलर दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद द्वारा संचालित पद्मावती पब्लिक स्कूल, मानसरोवर में रेड कलर डे बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय की आचार्या श्रीमती हेमलता जैन ने बताया कि विद्यालय के सभी नन्हे-मुन्ने विद्यार्थी एवं शिक्षक-शिक्षिकाएँ लाल रंग के परिधान पहनकर विद्यालय आए। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य छोटे विद्यार्थियों को लाल रंग की पहचान, महत्व और उससे जुड़ी भावनाओं के बारे में विस्तार से समझाना था। बच्चों को बताया गया कि लाल रंग प्यार, स्नेह और ऊर्जा का प्रतीक होता है। इसी संदेश के साथ विद्यार्थियों को आपस में मिल-जुलकर प्रेमपूर्वक रहने, एक-दूसरे का सम्मान करने और किसी प्रकार के झगड़े से दूर रहने की सीख दी गई। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को विभिन्न रेड ऑब्जेक्ट्स जैसे सेब, टमाटर, स्ट्रॉबेरी, चेरी, लाल गुलाब, लाल गुब्बारे, लाल खिलौने आदि के बारे में भी जानकारी दी गई। बच्चों ने इन वस्तुओं को देखकर न केवल रंग की पहचान की बल्कि सीखने की प्रक्रिया का भरपूर आनंद भी लिया। रेड कलर डे का यह आयोजन बच्चों के लिए शिक्षाप्रद, आनंददायक और यादगार रहा।

जनकपुरी के नेमिनाथ से गिरनारजी के नेमिनाथ की यात्रा का आयोजन

101 नेमि भक्त यात्रीयों का दल 16 दिसम्बर को होगागिरनार जी के लिए रवाना। नेमिनाथ मंदिर सांवला जी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल करेंगे यात्रियों को विदा

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर जनकपुरी ज्योतिनगर जयपुर से 101 यात्रियों का एक दल छ दिवसीय धार्मिक यात्रा के लिए 16 दिसंबर 25 को जनकपुरी के मूल नायक नेमिनाथ से सिद्ध क्षेत्र गिरनार जी के नेमिनाथ के लिए रवाना होगा । यात्रियों द्वारा शनिवार को जनकपुरी के नेमिनाथ भगवान के समक्ष अर्घ्य व श्रीफल समर्पित कर यात्रा का बैनर विमोचित किया गया तथा सानन्द निर्विघ्न यात्रा की भावना भायी गई। यात्री दल के सुनील सेठी व कमलेश पाटनी के अनुसार यात्री नेमिनाथ भगवान की निर्वाण स्थली सिद्ध क्षेत्र गिरनार जी अलावा तारंगा, उमता, पालीताना, घोघा आदि स्थानों की यात्रा के अलावा आचार्य सुनील सागर जी महाराज ससंघ सहित उधर प्रवास रत साधु संतों के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। नेमि भक्त यात्री दल को श्री नेमिनाथ मंदिर सांवला जी आमेर के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा नेमिनाथ से नेमिनाथ की यात्रा के लिए शुभ भावनाओ के साथ मंगलवार को विदा किया जाएगा ।

आचार्य श्री विनम्र सागर जी के सानिध्य में धूम धाम से हुआ भक्तामर विधान

दीपक प्रधान. शाबाश इंडिया

धामनोद। दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बावनगजा पर विराजित उत्कृष्ट समाधि धारक राष्ट्र संत गणाचार्य विराग सागर जी सीसी महाराज के शिष्य भक्तामर महोदधि उच्चारणाचार्य विनम्र सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में आज भक्तामर विधान बड़ी ही धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ ,आचार्य संघ द्वारा आज पहाड़ पर स्थित मंदिरों के वंदना कर दर्शन कर भगवान आदिनाथ के चरणों में विशेष ध्यान और साधना की साथ ही इस रमणीय स्थल पर आकर आचार्य संघ ने एक अलग ही अनुभूति को प्राप्त किया मुनिसंघ ने चुलगिरी के मंदिर के दर्शन कर यहां से मोक्ष गए इंद्रजीत,कुंभकर्ण और साढ़े तीन करोड़ मुनिराज की भक्तिमय साधना अर्चना की साथ ही तलहटी के मंदिरों के दर्शन किए ,आज आचार्य संघ के सानिध्य में भगवान के अभिषेक शांतिधारा,नित्य नियम की पूजन सम्पन्न हुई एवं आचार्य श्री का भी पूजन हुआ, तत्पश्चात आचार्य संघ की आहार चर्या हुई ,आचार्य संघ की सामयिक के पश्चात भक्तामर विधान हुआ जिसमें श्रावकों द्वारा भगवान आदिनाथ के चित्र का अनावरण कर दीप प्रज्वलन किया, आचार्य श्री को शास्त्र भेंट कर पाद प्रक्षालन किया , कई श्रावक श्राविका उपस्थित हुए, शाम को प्रतिक्रमण, गुरुभक्ति, भगवान की आरती और आचार्य श्री की आरती उपस्थित श्रावकों ने की,उसके पूर्व आचार्य संघ की आगवानी ट्रस्ट अध्यक्ष विनोद दोशी और ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा आरती उतार कर पाद प्रक्षालन और श्रीफल भेंट कर की।

रिश्तों का सम्मान करें

रिश्ते हमारे जीवन की वह अमूल्य धरोहर हैं, जो हमें भावनात्मक सहारा, पहचान और जीवन का सच्चा अर्थ देते हैं। माता-पिता, भाई-बहन, जीवनसाथी, मित्र या समाज–हर रिश्ता विश्वास, प्रेम और सम्मान की नींव पर टिका होता है। जब इन रिश्तों में सम्मान बना रहता है, तभी उनमें मधुरता और स्थायित्व आता है। आज की तेज रफ्तार ज़िंदगी में हम अक्सर अपने अहंकार, व्यस्तता या स्वार्थ के कारण रिश्तों की भावनाओं को अनदेखा कर देते हैं। छोटी-छोटी बातों पर कटु शब्द, उपेक्षा या संवाद की कमी रिश्तों में दरार पैदा कर देती है। जबकि सच्चाई यह है कि रिश्ते अधिकार से नहीं, बल्कि सम्मान से निभते हैं। रिश्तों का सम्मान करने का अर्थ है–दूसरे की भावनाओं को समझना, उसकी बात को धैर्य से सुनना, मतभेद होने पर भी मयार्दा बनाए रखना और कठिन समय में साथ खड़े रहना। सम्मान वहाँ भी जरूरी है, जहाँ असहमति हो; क्योंकि सम्मान के साथ कही गई बात रिश्तों को तोड़ती नहीं, बल्कि और मजबूत बनाती है। बुजुर्गों का आदर, छोटों के प्रति स्नेह, जीवनसाथी के प्रति विश्वास और मित्रों के प्रति ईमानदारी–यही रिश्तों की सच्ची पहचान है। जब हम रिश्तों को समय, संवेदना और सम्मान देते हैं, तब वे जीवन को सुखद, संतुलित और सार्थक बना देते हैं। अंततः, यह याद रखना आवश्यक है कि धन और पद जीवन में फिर भी मिल सकते हैं, पर टूटे हुए रिश्ते और खोया हुआ सम्मान वापस नहीं आता। इसलिए आइए, अपने हर रिश्ते का सम्मान करें–क्योंकि रिश्ते ही जीवन की असली पूँजी हैं।

अनिल माथुरः ज्वाला-विहार, जोधपुर

जाप्य लेखकों का सम्मान समारोह आज

समिति के मंत्री महावीर कुमार चान्दवाड के अनुसार सम्मान समारोह में हीरक पदक 39 , स्वर्ण- 93 व रजत 187 कुल 319 जिन्होंने एक करोड़ 46 लाख 18 हजार णमोकार महामंत्र का लेखन कर जाप्य पुस्तिकाएं जमा कराई है...

जयपुर. शाबाश इंडिया

समिति के पूर्व अध्यक्ष श्री रतन लाल कोठारी के अनुसार आर्यिका शिरोमणि गणनी प्रमुख श्री 105 ज्ञानमति माताजी द्वारा 8 अक्टूबर (शरद पूर्णिमा के दिन)1995 में गठित णमोकार महामंत्र बैंक की शाखा माताजी द्वारा प्रवर्तित समवशरण रथ के जयपुर आगमन पर प्रेरणा पाकर विमल कुमार सोगाणी जो समिति के प्रथम अध्यक्ष भी रहे हैं के द्वारा वर्ष 1999 में श्री चन्द्र प्रभ जिनालय दुर्गापुरा में आयोजित विचार गोष्ठी के दौरान विभिन्न कालोनियों से आये संभागियों की उपस्थिति में णमोकार महामंत्र बैंक संचालन समिति जयपुर का गठन किया गया था। तब से निरन्तर समिति द्वारा णमोकार महामंत्र जाप्य पुस्तिकाएं वितरित कर जाप्य लेखकों द्वारा णमोकार महामंत्र लिखवाया जाकर गणनी आर्यिका ज्ञानमति माताजी के जन्म दिवस शरद पूर्णिमा के अवसर जाप्य पुस्तिकाओं का संग्रहण कर जम्बूद्वीप हस्तिनापुर भेजकर वहाँ से प्राप्त प्रमाणपत्रों का वितरण वर्ष 2000 से नियमित हर वर्ष किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष हरक चन्द बडजात्या हमीरपुर वाले ने बताया कि इस वर्ष भी जाप्य लेखकों का सम्मान समारोह दिनांक 14 दिसम्बर, रविवार को प्रातः 9.30 बजे श्री महावीर साधना संस्थान, अहिंसा पथ महावीर नगर में न्यायमूर्ति नरेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में होगा। समिति के मंत्री महावीर कुमार चान्दवाड के अनुसार सम्मान समारोह में हीरक पदक 39 , स्वर्ण- 93 व रजत 187 कुल 319 जिन्होंने एक करोड़ 46 लाख 18 हजार णमोकार महामंत्र का लेखन कर जाप्य पुस्तिकाएं जमा कराई है, को पंडित श्री गुलाब चन्द सुभाष कुमार गंगवाल की ओर से भेंट किये गए प्रतीक चिह्न व हस्तिनापुर से प्राप्त प्रमाण पत्र दिये जाकर समिति की ओर से सम्मानित किया जायेगा। जाप्य पुस्तिकाएं उपलब्ध कराने वाले व कार्यक्रम में सहयोगी रहे श्रावकों को भी सम्मानित किया जायेगा। समिति के उपाध्यक्ष बाबूलाल जैन इसरदा वाले के अनुसार विद्वान पंडित राजेश कुमार गंगवाल द्वारा 84 लाख मंत्रो के जनक णमोकार महामंत्र के माहात्म्य को विशेष विवेचन के साथ समझाया जावेगा। विशेष सहयोगी श्रावक श्रेष्ठी प्रमोद कुमार रितेश छाबडा को भी सम्मानित किया जायेगा।

शीतकालीन प्रवास-संतों की अगवानी के लिए सजा बाजार

आचार्य वर्धमान सागर महाराज एबीसी फार्म हाउस पधारे

निवाई. शाबाश इंडिया

आचार्य वर्धमान सागर महाराज संसघ का 7 पिच्छियो के साथ शनिवार सुबह एबीसी फार्म हाउस पर मंगल प्रवेश हुआ। जैन समाज की प्रवक्ता विमल जौंला व राकेश संघी ने बताया कि आचार्य श्री झिलाई से विहार कर प्रातः 9:30 बजे एबीसी फार्म हाउस पर गाजे बाजे के साथ मंगल प्रवेश किया। एबीसी फार्म हाउस पर दिलीप भांजा रुक्मिणी देवी सुनीता जैन अनीता भांजा अशोक जैन अनुज अमन जैन ने मंगल कलश लेकर आचार्य श्री का पाद पक्षालन कर भव्य अगवानी की । आचार्य श्री यहां से दोपहर 3:00 बजे विहार कर मंडावर हाउस पहुंचे वहां महेंद्र कुमार मैंना जैन मंडावर द्वारा भव्य अगवानी की गई। आचार्य ससंघ के निवाई में शीतकालीन प्रवास को लेकर जैन समाज में खुशी की लहर है। ससंघ में शामिल सभी 33 पिच्छिकाए रविवार दोपहर 1बजे यहां से विहार कर 3 किलोमीटर दूर नसिया मंदिर स्थित संत निवास पधारेंगे। जैन समाज के हेमंत चवरिया व पवन बोहरा ने बताया कि आचार्य श्री के निवाई में मंगल प्रवेश को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में है। झिलाई रोड स्थित शांतिनाथ अग्रवाल मंदिर से लेकर जैन नसिया मंदिर तक लगभग करीब 3 किलोमीटर लंबी शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस मार्ग पर 51 स्वागत द्वार आकर्षक फ्लेक्स बैनर रंग बिरंगी विघुत बिजली सजावट एवं पुष्प वर्षा के विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं। टोंक रोड स्थित जैन नसियां को आकर्षक लाइटों से सजाया गया है। राकेश संघी विमल जौंला ने बताया कि जैसे ही आचार्य श्री का नगर सीमा में आगमन होगा शाही बैण्ड बाजों ढोल नगाड़ों जय घोष एवं आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज की जयकारों से भक्ति के स्वरों से वातावरण गूंजायमान होगा। किशनगढ़ नैनवा निवाई के प्रसिद्ध बैंड सुर लहरियों से स्वागत करेंगे। सुनील भाणजा ने बताया कि आचार्य श्री का भव्य जुलूस अग्रवाल मंदिर से रवाना होकर अहिंसा सर्किल बपूई वालों की धर्मशाला बड़ा जैन मंदिर बिचला जैन मंदिर होता हुआ जैन नसिया स्थित संत निवास पहुंचेगा। इस अवसर पर शनिवार को आचार्य श्री के जिन मंदिर में भगवान जिनेंद्र देव का कलशा अभिषेक के साथ शांति धारा की गई। इसके बाद आहार चर्या एबीसी फार्म हाउस में संपन्न हुई। इस दौरान महावीर प्रसाद पराणा सन्मति चंवरिया गोपाल कठमाणा विष्णु बोहरा सुशील आरामशीन लालचंद कठमाणा अमित कटारिया महेन्द्र सुनारा ओमप्रकाश कठमाणा नेमीचंद सिरस विनोद जैन मोहित चंवरिया जितेन्द्र चंवरिया सुशील गिन्दोडी. पार्षद नितिन छाबड़ा पवन बोहरा महेन्द्र मण्डावर गज्जू भैया बाबूलाल जैन मनोज पाटनी सुनील भाणजा पदम सेदरिया महेन्द्र चंवरिया सुनील गिन्दोडी रोनक बोहरा विमल बड़ागांव, बेणी झिराना, राजेन्द्र बोहरा गिर्राज रामनगर राजेन्द्र कठमाणा कमल सोगानी सहित अनेक लोग मौजूद थे।

श्री प्रमोद जी - नीना जी पहाड़िया

प्रमुख समाज सेवी मुनिभक्त भामाशाह

की वैवाहिक वर्षगांठ

(१५ दिसंबर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

Happy Anniversary

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका,

संरक्षक: सुरेंद्र - मृदुला पांड्या, परामर्शक: दिनेश-संगीता गंगवाल

कार्याध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, सचिव: अनिल - निशा संघी, कोषाध्यक्ष: अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

वेद ज्ञान

सच्ची मुस्कान की चमक हर रोशनी से बढ़कर

सच्ची मुस्कान की चमक हर रोशनी से बढ़कर होती है। मुस्कान न सिर्फ व्यक्ति को संपन्न बना सकती है, अपितु स्वस्थ बनाने की ताकत रखती है। आज कम आयु में ही लोग बीमार इसलिए हो जाते हैं, क्योंकि उनके जीवन में मुस्कान को छोड़कर तनाव, व्यस्तता, क्रोध और चिंता सब कुछ है। जो लोग इन सबके बीच रहकर हर समय अपने चेहरे पर मुस्कान को बनाए रखते हैं, हर कठिन परिस्थिति का सामना मुस्करा कर करते हैं, दुनिया उन्हें सलाम करती है। त्योरी चढ़ाने में व्यक्ति को अपनी बासठ मांसपेशियों का प्रयोग करना पड़ता है, जबकि मुस्कराने में केवल छब्बीस मांसपेशियों को मेहनत करनी पड़ती है। मुस्कान की कोई भाषा नहीं होती। यदि विश्व के अलग-अलग देशों के और अलग-अलग भाषा के लोग एक साथ खड़े हों तो वे अपने विचारों को मुस्कान के माध्यम से एक दूसरे तक सहजता और सरलता से पहुंचा सकते हैं। प्रकृति ने केवल मनुष्य को ही मुस्काराहट जैसा दुर्लभ वरदान दिया है। सभी प्राणी पीड़ा से रो सकते हैं, लेकिन प्रसन्नता के क्षणों में केवल मनुष्य ही खिलखिला सकता है। जब व्यक्ति खिलखिलाता है तो उसकी जीवन शक्ति में वृद्धि हो जाती है। मुस्कराहट सभी के लिए निःशुल्क है। जो व्यक्ति कष्ट और पीड़ा के समय भी मुस्कराना जानता है वह निश्चित ही बड़ी से बड़ी सफलता को भी सहजता से प्राप्त करना जानता है। वैज्ञानिक प्रयोगों से यह प्रदर्शित हो चुका है कि मुस्काराहट हृदय की मालिश करती है, रक्त संचार को प्रेरित करती है और फेफड़ों को अधिक आसानी से सांस लेने में मदद करती है। जब ये सारी क्रियाएं एक साथ होती हैं तो व्यक्ति के सुख और समृद्धि में अनायास ही वृद्धि देखने को मिलती है। चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों, बस हर हाल में मुस्कराते रहें। मुस्कराहट वह जादुई दीपक है जो हर परेशानी को अपने प्रकाश तले मिटा देता है। केवल स्वयं ही न मुस्कराएं, बल्कि अपनी मुस्कराहट से दूसरों की मुस्कराहट का भी दीपक जलाएं। ऐसा करने से मुस्कराहट का प्रकाश चारों ओर फैल जाएगा जो तिमिर को दूर भगाएगा। मुस्कराहट आध्यात्मिक भावों को हृदय में उत्पन्न करती है और मन में सद्भावनाओं को उत्पन्न कर व्यक्ति के जीवन को सार्थक करती है।

संपादकीय

समय रहते चेतने की आवश्यकता

पिछले एक दशक में सोशल मीडिया को आधुनिकता की सबसे बड़ी उपलब्धि, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और वैश्विक संपर्क का प्रभावी माध्यम माना गया लेकिन अब वही माध्यम अपने भयावह और विकृत चेहरे के साथ सामने आ रहा है। पश्चिमी देश, जो कल तक इसके लाभों का गुणगान करते नहीं थकते थे, आज इसके दुष्परिणामों से चिंतित और भयभीत हैं। बच्चों में बढ़ती आत्महत्याएं, हिंसक व्यवहार, मानसिक विकार, डिजिटल नशा और सामाजिक विकृतियां इस चिंता के ठोस प्रमाण हैं। इसी पृष्ठभूमि में ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने एक ऐतिहासिक और साहसिक कदम उठाया है। 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट बनाए रखने पर कंपनियों पर लगभग पांच करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान यह स्पष्ट करता है कि अब बच्चों के भविष्य से समझौता स्वीकार्य नहीं है। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री का यह कथन कि यह कदम बच्चों को ''बचपन जीने का अधिकार'' लौटाने के लिए है, केवल नीति नहीं बल्कि एक नैतिक संदेश भी है। इस फैसले के बाद पश्चिमी जगत में हलचल तेज हो गई है। ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों में भी यह सवाल उठने लगे हैं कि यदि ऑस्ट्रेलिया ऐसा साहस दिखा सकता है तो वे क्यों नहीं? यह बेचैनी केवल सरकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन अभिभावकों तक फैल चुकी है जिन्होंने सोशल मीडिया को अपने बच्चों के अवसाद, आत्महत्या और चरित्र-पतन का प्रमुख कारण मानना शुरू कर दिया है। वास्तविक संकट की जड़ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की वही रणनीति है, जो बच्चों को अधिक से अधिक समय स्क्रीन से जोड़े रखने के लिए बनाई गई है। एल्गोरिद्म के जरिए उनकी जिज्ञासाओं, संवेदनशीलताओं और असुरक्षाओं का दोहन किया जाता है। अश्लील सामग्री, हिंसक गेम्स, द्विअर्थी वीडियो और 'लाइक-फॉलोअर' की आभासी दौड़ ने बच्चों की मनोवैज्ञानिक संरचना को गहराई से प्रभावित किया है। नतीजा यह है कि बच्चे मानसिक रूप से समय से पहले वयस्कता की ओर धकेले जा रहे हैं। भारत में यह संकट और भी गंभीर रूप ले रहा है। पारंपरिक परिवार-व्यवस्था, संस्कार और मूल्य-तंत्र सोशल मीडिया के प्रभाव में कमजोर पड़ रहे हैं। जहां कभी बच्चे माता-पिता और शिक्षकों से सीखते थे, आज वे रील्स और शॉर्ट वीडियो से जीवन के अर्थ गढ़ रहे हैं। इसके दुष्परिणाम शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों पर स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं मोटापा, नींद की कमी, एकाग्रता में गिरावट, अवसाद और आत्मविश्वास का क्षरण। मानसिक स्तर पर लगातार स्क्रॉल करने की आदत बच्चों की सहनशक्ति और वास्तविक जीवन से जूझने की क्षमता को नष्ट कर रही है। ऑनलाइन बुलिंग, ठगी, फर्जी पहचान और डिजिटल व्यसन के बढ़ते मामले भारत के लिए गंभीर चेतावनी हैं। दुखद यह है कि सोशल मीडिया कंपनियों की प्राथमिकता बच्चों की सुरक्षा नहीं, बल्कि मुनाफा है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या भारत को भी ऑस्ट्रेलिया की तरह कठोर कदम उठाने चाहिए? **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

थमती संसद की उत्पादकता

अजीत लाड़

भारत की संसद का शीतकालीन सत्र ऐसे समय आरंभ हुआ है जब देश तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियों, आर्थिक चुनौतियों और अहम नीतिगत निर्णयों के दौर से गुजर रहा है। सत्र से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह संदेश कि संसद का हर क्षण देश के विकास को समर्पित होना चाहिए, केवल राजनीतिक वक्तव्य नहीं बल्कि लोकतंत्र की मूल भावना की याद दिलाने वाला था। संसद केवल चर्चा का मंच नहीं, बल्कि वह केंद्र है जहां राष्ट्र की दिशा तय होती है। लेकिन सत्र शुरू होते ही वही परिचित दृश्य सामने आया नारेबाजी, हंगामा, वेल में उतरना और अंततः कार्यवाही स्थगित होना। यह स्थिति अब अपवाद नहीं, बल्कि एक स्थायी प्रवृत्ति बनती जा रही है। लोकतंत्र में असहमति आवश्यक है और विरोध उसका प्राणतत्व है, लेकिन जब विरोध निरंतर अवरोध में बदल जाए, तो यह लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए गंभीर चिंता का विषय बन जाता है। पिछले कुछ वर्षों के आंकड़े स्पष्ट संकेत देते हैं कि संसद अपनी पूर्ण क्षमता से कार्य नहीं कर पा रही। 2024 के मानसून सत्र में लोकसभा केवल 29 प्रतिशत और राज्यसभा 34 प्रतिशत समय ही चल सकी। प्रश्नकाल जैसी महत्वपूर्ण संसदीय प्रक्रिया भी बाधित रही। यह केवल समय की बर्बादी नहीं, बल्कि जनता के भरोसे और करदाताओं के धन का नुकसान भी है, क्योंकि संसद का हर मिनट देश के संसाधनों से चलता है। विपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है। वह सरकार से सवाल पूछता है, जवाबदेही तय करता है और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। लेकिन यह भूमिका तब प्रभावी होती है जब वह सदन के भीतर सार्थक बहस के माध्यम से निभाई जाए। नारे और शोर बहस का विकल्प नहीं हो सकते। प्रश्नकाल, शून्यकाल और विधायी चर्चाएं ही लोकतांत्रिक संवाद के सशक्त माध्यम हैं। दूसरी ओर, सरकार ने यह दिखाया है कि राजनीतिक अवरोधों के बावजूद नीति-निर्माण और सुधार उसकी प्राथमिकता रहे हैं। पिछले वर्षों में नए संसद भवन का निर्माण, डिजिटलीकरण, कागज-रहित कार्यप्रणाली, अप्रासंगिक कानूनों की समाप्ति और सैकड़ों विधेयकों का पारित होना इस बात का प्रमाण है कि प्रशासनिक निरंतरता बनाए रखी गई है। यह उपलब्धियां ऐसे समय में हासिल हुई हैं जब संसद बार-बार बाधित होती रही है। वर्तमान शीतकालीन सत्र में कई महत्वपूर्ण विधेयक सूचीबद्ध हैं, जिनका सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था, शिक्षा, ऊर्जा, वित्तीय प्रणाली और बुनियादी ढांचे पर पड़ेगा। जनता यह जानना चाहती है कि इन विषयों पर गंभीर और विस्तृत चर्चा क्यों नहीं हो पा रही। भारत आज वैश्विक मंच पर एक जिम्मेदार और सुधारवादी राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है। ऐसे में संसद की निष्क्रियता देश की छवि और नीति-स्थिरता दोनों को प्रभावित कर सकती है। यह मानना भी आवश्यक है कि राजनीति में टकराव स्वाभाविक है। परिपक्व लोकतंत्र वही होते हैं जो टकराव को बहस में बदलना जानते हैं। संसद की गरिमा शोर से नहीं, संवाद से बनती है। सरकार को जवाबदेह बनाना विपक्ष का कर्तव्य है, और विपक्ष को सुनना सत्ता का दायित्व। संसद का समय किसी दल का नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का समय है। जब संसद रुकती है, तो निर्णय रुकते हैं और विकास की गति धीमी पड़ती है। भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है।

उठावना

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे प्रिय

श्री विजेन्द्र कुमार जी कांकरिया

सुपुत्र स्व. श्री नौरतमल जी कांकरिया का आकस्मिक निधन
दिनांक 12 दिसम्बर 2025 को हो गया है।

उठावना (आगमन प्रस्थान):
दिनांक: 14.12.25 रविवार को शाम 3.30 से 4.30 बजे तक दादाबाड़ी, मोती डूंगरी रोड़ पर रखा गया है।

शोकाकुल

सरोज कांकरिया(धर्मपत्नी), राहुल-रुचिका (पुत्र-पुत्रवधु)
हुकमीचंद, प्रेमचंद, रतनचंद, सुरेशकुमार, पूर्णेन्द्र कुमार, बहादुर कुमार, जयकुमार, विजय कुमार (भ्राता), महावीर, मनीष, अरुण, मुकेश, दीपक, सुकेश, जुगनू, नितिन, धीरज, अरिहंत, पुष्पेश, वर्धमान, विपिन, आयुष, सौरभ, रजत, हर्षित, यश (भतीजे)
भंवरी बाई, कमला बाई-मगनलाल जी डागा, गुलाब बाई-सोहनलाल जी रांका, इंदर चंद जी सुराना (बहन-बहनोई),
पूर्णिमा-संजय जी पल्लीवल, राजुल-अमन सा सांड, ऋषिता-अभिषेक जी बरमेचा (पुत्री-दामाद) वैभव, चिराग, दिओम (पौत्र)
शिखा-अनीश जी (पौत्री-जवाई) तन्वी, समायरा, हियाना, अधीरा (पौत्री)
ससुराल पक्ष: कुशलचंद,पदमचंद (चाचाससुर), प्रसन्न चंद, किशनचंद, अभयकुमार, देवेंद्र, राजेंद्र, चंद्रप्रकाश
एवं समस्त डागा परिवार।

प्रतिष्ठान :- कांकरिया ज्वैलर्स जयपुर, कॉन्टिनेंटल पावर केयर
मो. 9829134751

"राइज ऑफ दी आइकॉन्स: ए कलेक्शन ऑफ इंडियन एक्सीलेंस" का विमोचन

व्यक्तित्वों को प्रेरणा के स्रोत में परिवर्तित करती है पुस्तक: बिनोद चौधरी

जयपुर. शाबाश इंडिया

एमआई रोड स्थित राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में भारत के अग्रणी प्रवासी-केन्द्रित प्रकाशन समूह मनीष मीडिया की प्रथम इन-हाउस पेपरबैक पुस्तक ''राइज ऑफ दी आइकॉन्स: ए कलेक्शन ऑफ इंडियन एक्सीलेंस'' का विमोचन हुआ। यह विमोचन मुख्य अतिथि चौधरी ग्रुप के चेयरमैन डॉ. बिनोद चौधरी ने किया। इस मौके पर विशिष्ठ अतिथि प्रसिद्ध टेक्नोलॉजी पायनियर एवं डेटा एक्सजेन के संस्थापक डॉ. अजय डेटा,राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष डॉ.केएल जैन,नेशनल यूएस इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स डॉ. पूर्णिमा वोरीया व प्रदेश कांग्रेस समिति, राजस्थान के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा के साथ मनीष मीडिया के निदेशक मनीष कुमावत भी मौजूद रहे। इस मौके पर मनीष मीडिया के निदेशक कुमावत ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि मनीष मीडिया की नींव मेरे पिता, कंपनी के संस्थापक एवं चेयरमैन स्व. चंदनमल कुमावत ने दो दशक पहले रखी थी। वे मानते थे कि रिश्ते ही वास्तविक संपत्ति हैं, और यही भावना मनीष मीडिया को आज इस मुकाम तक लेकर आई है। हमारे लिए यह गर्व का क्षण है कि हमारा प्रकाशन-गृह देश का अग्रणी प्रवासी-केंद्रित मंच बन चुका है। उन्होंने आगे बताया कि राइज ऑफ आइकॉन्स मनीष मीडिया के इतिहास में एक अहम अध्याय है। यह हमारी पहली पेपरबैक एंथोलॉजी है। अब तक हम बड़े आकार की कॉफी-टेबल बुकें प्रकाशित करते रहे हैं, जो अपने उद्देश्य को भली-भांति पूरा करती हैं। लेकिन इस पुस्तक के माध्यम से हम प्रेरक कहानियां आम पाठकों तक और भी निकटता से पहुँचाना चाहते हैं। यदि इन दस वास्तविक यात्राओं में से कोई एक भी कहानी किसी व्यक्ति को नई दिशा दे सके, तो हमारा उद्देश्य सफल होगा।सभी विशिष्ट अतिथियों ने अपने संबोधन में स्व. चंदनमल कुमावत को श्रद्धांजलि दी तथा मनीष मीडिया के साथ अपने संबंधों को स्मरण किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. चौधरी ने औपचारिक रूप से राइज ऑफ आइकॉन्स का विमोचन किया। उन्होंने कहा ,कि मनीष मीडिया द्वारा 2,000 से अधिक परिवारों को प्रदर्शित करना अपने आप में एक बड़ा कार्य है। यह पुस्तक केवल व्यक्तित्वों को प्रस्तुत करने तक सीमित नहीं है- यह उन्हें प्रेरणा के स्रोत में परिवर्तित करती है। डॉ. अजय डेटा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे कुछ समय पूर्व ही चंदनमल जी से मिले थे। उन्होंने कहा कि हजारों में से केवल दस प्रेरक व्यक्तित्वों का चयन करना आसान कार्य नहीं है।

विश्व प्रसिद्ध परिचय सम्मेलन का भव्य शुभारंभ हुआ

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

भोपाल। भारत वर्षीय जैन समाज का विश्व प्रसिद्ध टोंग्या जी वाला परिचय सम्मेलन आज बड़े ही उत्साह उमंग के साथ भव्य शुभारंभ हुआ। संयोजक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस परिचय सम्मेलन में विदेश से युवा प्रत्याशी आनलाइन शामिल होंगे। दद्दू ने कहा कि दिगंबर जैन समाज का सबसे बड़ा तीन दिनी युवक-युवती परिचय सम्मेलन आज शनिवार से जवाहर चौक स्थित दिगंबर जैन मंदिर में शुरू हुआ। परिचय सम्मेलन में यूके, कनाडा, कुवैत, नार्वे, इटली, मलेशिया, जिम्बाम्बे आदि देशो में बसे युवाओं ने भी इसके लिए पंजीयन कराया है। आयोजन समिति के अध्यक्ष मनोहर लाल टोंग्या एवं महामंत्री इंजिनियर विनोद जैन ने कहा कि यह पुरा आयोजन पूरी तरह जीरो वेस्ट होगा। यहां पीने का पानी तांबे के लोटे में और चाय, मिट्टी के कुल्हड़ में मिलेगी। भोजन भी स्टील के बर्तनों में परोसा जाएगा। अतिथियों को सत्कार के दौरान उपहार में औषधीय पौधे दिए जाएंगे। सम्मेलन आयोजन समिति के इंजिनियर विनोद जैन ने बताया कि इस बार लगभग 5339 रजिस्ट्रेशन हुए हैं। जिसमें देश के विभिन्न प्रांतो के साथ-साथ विदेश से उच्च शिक्षित 94 युवक युवतियों प्रत्याशियों का भी पंजीयन हुआ है। इनमें यूसए, यूके, कनाडा, कुवैत, नार्वे, इटली, मलेशिया जिम्बाम्बे आदि देशों में बसे युवा शामिल हैं। जो सम्मेलन में आन लाइन जुड़कर शामिल होंगे। सम्मेलन में उपस्थित अभिभावक मंच से अपने लिए परिवार के लिए सुयोग्य बहू और दामाद की तलाश करते हैं।

“फ्लोरेंस 2025-26” वार्षिक उत्सव में हुआ नवरस का संगम

जयपुर. शाबाश इंडिया

13 दिसम्बर शनिवार को महावीर पब्लिक स्कूल, सी-स्कीम, जयपुर के महावीर सभा भवन में प्रातः11 बजे से प्ले ग्रुप से सेकंड कक्षा के बच्चों का एनुअल फंक्शन ₹फ्लोरेंस 2025-26₹बड़े ही धूमधाम से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आरंभ विद्यालय के अध्यक्ष उमरावमल सांघी, मानद् मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयोजक सुदीप ठोलिया, संयुक्त मंत्री कमल बाबू जैन एवं प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन द्वारा मां सरस्वती एवं महावीर स्वामी की प्रतिमा के समक्ष दीप-प्रज्जवलन से हुआ। संस्था सदस्यों ने मुख्य अतिथि विकास प्रजापत, आर.ए.एस. (एसडीएम, सांगानेर, जयपुर) का माला एवं साफा पहनाकर एवं प्राचार्या द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट करके स्वागत किया गया। संयोजक सुदीप ठोलिया ने मुख्य अतिथि एवं

सभासीन अन्य सदस्यों का कार्यक्रम में पधारने हेतु स्वागत करते हुए कहा कि महावीर स्कूल का प्रयास बच्चों को संस्कारी बनाते हुए उनका सर्वांगीण विकास करना है। कार्यक्रम में नन्हें-मुन्हें बच्चों द्वारा जीवन के नौ रसों- शांत, भयंकर, अद्भुत, वीर, रौद्र, श्रृंगार , वीभत्स, हास्य एवं करुणा को अपनी बाल-सुलभ भाव-भंगिमाओं के द्वारा नृत्य, गीत आदि के माध्यम से प्रस्तुत किया। बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों को देख कर सभी आश्चर्यचकित एवं मंत्रमुग्ध हो गए, विशेषकर रौद्र रूप में महाशिव के तांडव एवं पार्वती के महिषासुर मर्दिनी स्वरूप ने मंच पर तहलका मचा दिया। वीर रस को दशार्ते हुए बच्चों ने मेवाड़ के कुंवर उदय सिंह को बचाने के लिए अपने बच्चे चंदन का बलिदान करते हुए पन्नाधाय की वीरता को प्रस्तुत करती हुई नाटिका के मंचन को देखकर तो दर्शकों की आंखों में आंसू आ गए। मुख्य अतिथि विकास प्रजापत ने छोटे-छोटे बच्चों की प्रशंसा करते हुए उन्हें जीवन में सफलता प्राप्त करने का आशीर्वाद दिया। संस्थाध्यक्ष उमरावमल सांघी ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चों ने अपेक्षाओं से ऊपर उठकर नवरसों को व्यक्त किया है।कार्यक्रम की सफलता कोऑर्डिनेटर श्रीमती निकिता कुंभट एवं श्रीमती विनीता कोठारी की टीम के कठिन परिश्रम को दशार्ता है।कोऑर्डिनेटर श्रीमती निकिता कुंभट द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु बच्चों, अध्यापकों, अभिभावकों एवं समस्त सहयोगियों को धन्यवाद दिया गया। संस्थासदस्यों द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति-चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

सी एस आरः कॉरपोरेट सोशियल रिस्पांसिबिलिटी पर महावीर इंटरनेशनल द्वारा वेबिनार आयोजित...

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल द्वारा अपनी दैनिक ई चौपाल दोस्ती से सेवा की ओर में शुक्रवार रात्रि को सी एस आरः कॉरपोरेट सोशियल रिस्पांसिबिलिटी विषय पर महत्वपूर्ण एपिसोड में एक वेबिनार आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता इंटरनेशनल ट्रेजरार एवं सी एस आर के इंटरनेशनल डायरेक्टर सी ए सुधीर जैन थे। चौपाल के इंटरनेशनल डायरेक्टर वीर अजीत कोठिया के संयोजन में सम्पन्न इस वेबिनार में 45वीर वीराओ ने हिस्सा लिया। सुधीर जैन ने गरीबी उन्मूलन, हेल्थ सर्विसेज एंड सेनिटेशन, ग्रामीण विकास, पर्यावरण एजुकेशन एंड स्किल डेवलेपमेंट और पी एम केयर तथा अकाल राहत जैसे प्रकल्पों के लिए सी एस आर फंड प्राप्त करने के तरीके बताए। सुधीर जैन ने वेबिनार के दौरान संजय बेद, सुनील गांग, निर्मल सिंघवी, पृथ्वीराज जैन, विजय सिंह सुराणा प्रदीप टोंग्या, प्रवीण जैन रविन्द्र जैन, गौतम राठौड़ तथा रतन फलोदिया की जिज्ञासाओं का सटीक समाधान किया। प्रारंभ में स्नेहा गांग ने प्रार्थना प्रस्तुत की। संचालन अजीत कोठिया ने किया, आभार गौतम राठौड़ ने किया।

भगवान पार्श्वनाथ और चंद्रप्रभ का जन्म, तप कल्याणक 15 दिसंबर कोः इंजी. सौरभ जैन

मुरैना/अम्बाह (मनोज जैन नायक). शाबाश इंडिया

जैन तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ स्वामी और भगवान चंद्रप्रभु स्वामी, दोनों के जीवन में वैराग्य, तपस्या और आध्यात्मिक ज्ञान की यात्रा है। पौष कृष्ण एकादशी को जन्म और तप कल्याणक आता है। जहाँ पार्श्वनाथ स्वामी ने सर्प के उद्धार से ज्ञान पाया और कमठ के प्रतिशोध से मुक्ति पाई, जबकि चंद्रप्रभु स्वामी ने राजसी सुख त्याग कर केवल ज्ञान प्राप्त किया और शांति व अहिंसा का मार्ग दिखाया। दोनों के निर्वाण स्थल सम्मेद शिखर जी (पारसनाथ पहाड़ी) हैं, जो जैन धर्म के महत्वपूर्ण तीर्थस्थल हैं। श्री पार्श्वनाथ भगवान की गाथा - जन्म और दीक्षाः पार्श्वनाथ का जन्म वाराणसी में हुआ था। उन्होंने 30 वर्ष की आयु तक सांसारिक जीवन बिताया और दीक्षा लेने के 84 दिन बाद ही केवल ज्ञान प्राप्त किया। प्रमुख घटनाः एक बार उन्होंने एक तपस्वी की अग्नि से एक नाग (जो बाद में कमठ बना) को बचाया, जिसने बाद में तूफान से उनकी रक्षा की थी। प्रतिशोधः उनका मुख्य संघर्ष कमठ से था, जो नौ जन्मों तक उनके पीछे रहा और उन्हें परेशान करता रहा। अंततः, पूर्ण वैराग्य प्राप्त करने के बाद यह प्रतिशोध समाप्त हुआ। निर्वाणः उन्होंने सम्मेद शिखर (पारसनाथ पहाड़ी) पर निर्वाण प्राप्त किया। श्री चंद्रप्रभु भगवान की गाथा - जन्म और दीक्षाः चंद्रप्रभु का जन्म चंद्रपुरी (काशी) में राजा महासेन और रानी लक्ष्मणा के यहाँ हुआ। उनका रंग चंद्रमा जैसा सफेद था, इसलिए नाम चंद्रप्रभु पड़ा। ज्ञान प्राप्तिः 25 वर्ष की आयु में राजसी सुख त्याग कर उन्होंने तपस्या की और पारिजात वृक्ष के नीचे केवल ज्ञान (सर्वज्ञता) प्राप्त किया। शिक्षाः उन्होंने सत्य, अहिंसा और संयम का उपदेश दिया और मोक्ष का मार्ग दिखाया।

निर्वाणः उन्होंने भी सम्मेद शिखर पर निर्वाण प्राप्त किया। **दोनों के बीच संबंधः** तीर्थंकरः दोनों जैन धर्म के महत्वपूर्ण तीर्थंकर हैं, जिन्होंने आध्यात्मिक मार्ग दिखाया। **सम्मेद शिखरः** दोनों का निर्वाण स्थल एक ही है, जो जैन धर्म का एक प्रमुख तीर्थ स्थल है। सांसारिक जीवन से वैराग्यः दोनों ने सांसारिक सुखों को त्याग कर आत्म-ज्ञान और मोक्ष प्राप्त किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

श्री प्रमोद जी - नीना जी पहाड़िया

प्रमुख समाज सेवी मुनिभक्त भामाशाह

की वैवाहिक वर्षगांठ
(15 दिसंबर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

Happy Anniversary

शुभेच्छु

अध्यक्षः राकेश-समता गोदिका,
संरक्षकः सुरेंद्र - मृदुला पांड्या, **परामर्शकः** दिनेश-संगीता गंगवाल
कार्याध्यक्षः मनीष - शोभना लोंग्या, **सचिवः** अनिल - निशा संघी, **कोषाध्यक्षः** अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर शांति नगर

सहस्त्राभिषेक

मुलायक भगवान 1008 श्री चंद्र प्रभु एवं पारसनाथ भगवान के जन्म एवं तप कल्याण के पावन अवसर पर पोष बदी ग्यारस दिनांक 15 दिसंबर 2025 सोमवार को रिद्धि मंत्रो द्वारा 1008 कलशो से अभिषेक किए जाएंगे

प्रथम कलश अभिषेक सोधर्मइंद्र द्वारा तत्पश्चात चतुष्कोण पर विराजित कलश चारों इंद्र द्वारा किए जाएंगे

जन्म एवं तप कल्याणक दिवस पर अभिषेक पश्चात मंदिर जी के शिखर पर इंद्रो द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा

पूर्व संध्या दिनांक 14 दिसंबर रविवार को रिद्धि मंत्र द्वारा 48 दीपकों से भक्तामर स्त्रोत के पाठ किए जाएंगे

निवेदकः प्रबंधसमिति, श्री चंद्रप्रभु दि जैन मंदिर शांति नगर, युवा मंडल महिला मंडल एवं सकल जैन समाज शांति नगर

प्रथम कलशाभिषेक कर्ताः सौधर्म ईंद्र

चतुष्कोण कलश

ईशान ईंद्रः श्रीमान त्रिलोक चंद जी ऋषिजी निगोतिया

सनत्कुमार ईंद्रः श्रीमान विरेन्द्र जी मनीष जी अजमेरा

माहेंद्रः श्रीमान सुशील जी यश जी गोधा

कुबेर ईंद्रः श्रीमान विनय जी सिद्धार्थ जी कोठारी

कृपया अधिक से अधिक संख्या में पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाएं

एस. जे .पब्लिक स्कूल में जोश और उत्साह के साथ आयोजित हुआ 40 वां एनुअल स्पोर्ट्स डे

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनता कॉलोनी स्थित एस.जे. पब्लिक स्कूल में 40 वें वार्षिक खेलकूद समारोह **Aspiration, dare to win** का भव्य आगाज हुआ । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेंद्र कुमार पारख सूचना आयुक्त (भारत सरकार) एवं भूतपूर्व आईएएस अधिकारी ने ध्वजारोहण कर एवं मार्च पास्ट का निरीक्षण कर खेल समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। विद्यालय प्राचार्या श्रीमती नीरज बेनीवाल ने एसएसजेवी शिक्षा समिति के सचिव सुभाष गोलेछा ,संयुक्त सचिव नितिन दुग्गड़ , एकेडमिक डायरेक्टर प्रवीण नाहटा ,श्रीमती वंदना दासोत एवं समस्त गणमान्य अतिथियों का अभिनंदन किया ' विद्यार्थियों के द्वारा प्रस्तुत म्यूजिकल बैंड परफॉर्मेंस, अंब्रेला ड्रिल ,कराटे ड्रिल की मनमोहक एवं रोमांचक प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विद्यालय के स्पोर्ट्स कैप्टन नैवेद्य पारीक ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया । मुख्य अतिथि महेंद्र पारख ने खेल की मशाल को प्रज्वलित कर खिलाड़ियों को जीत- हार की भावना से ऊपर उठकर पवित्र खेल भावना से खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। शिक्षा समिति के सचिव सुभाष गोलेछा ने एनुअल स्पोर्ट्स मीट को प्रारंभ करने की घोषणा कर विद्यार्थियों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्राचार्या श्रीमती नीरज बेनीवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि एस जे पब्लिक स्कूल के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेलों में पदक जीतकर कई कीर्तिमान स्थापित कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है ।उन्होंने अपने प्रेरक भाषण में समस्त विद्यार्थियों को खेलों में उत्साह पूर्वक भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। शिक्षा समिति के सचिव सुभाष गोलेछा ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया । विद्यार्थियों ने फ्रॉग जंप , जेलीफिश रेस , टर्टल रेस कैटरपिलर रेस, बैलेंसिंग द बॉल ,रस्साकशी, रिले रेस आदि विभिन्न प्रकार की खेलकूद प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेकर उत्कृष्ट खेल भावना का प्रदर्शन किया ' सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर 'टैगोर हाउस' को विनर घोषित किया गया ' विजेता खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक गण उपस्थित रहे ।राष्ट्रगान से कार्यक्रम संपन्न हुआ।

त्रिवेणी नगर में श्री दिगम्बर जैन औषधालय कि शाखा का हुआ शुभारम्भ

150 वर्ष से निरंतर संचालित मानव सेवा को समर्पित हैं श्री दिगम्बर जैन औषधालय

जयपुर. शाबाश इंडिया

गोपालपुरा बाईपास स्थित त्रिवेणी नगर में शनिवार को श्री त्रिवेणी नगर दिगम्बर जैन समिति के तत्वावधान में श्री दिगम्बर जैन औषधालय की चतुर्थ शाखा का शुभारम्भ समाजसेवी अजय-आभा पाण्डया परिवार ने दीप प्रज्जवलन कर किया। कार्यक्रम की शुरूआत महिला मंडल के मंगलाचरण से हुई। मुख्य अतिथि समाजश्रेष्ठी सुधांशु -ऋतुजी कासलीवाल (अध्यक्ष श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महावीर जी) थे। इस अवसर पर वीर सेवक मंडल के मंत्री भानु छाबड़ा, शाबाश इंडिया न्यूज पेपर के सम्पादक राकेश गोदीका, देवेंद्र कासलीवाल, डॉ सुरेंद्र काला, शांति कुमार काला का भी सम्मान किया गया । मंच संचालन महावीर कासलीवाल ने किया। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद राजस्थान प्रान्त के प्रचार-प्रभारी नरेश कासलीवाल ने बताया कि उक्त औषधालय 150 वर्ष से निरंतर मानव सेवा को समर्पित श्री दिगम्बर जैन औषधालय बोरडी का रास्ता किशनपोल की चतुर्थ शाखा हैं। कार्यक्रम में औषधालय के वरिष्ठ वैद्य फूलचन्द जैन, अध्यक्ष निहालचंद सोगानी, संदीप कटारिया, महावीर कुमार जैन, चेतन छाबड़ा, अशोक जैन, वैद्य पवन शर्मा का तिलक, माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर मंदिर समिति के अध्यक्ष, महेन्द्र काला, मंत्री; शैलेन्द्र जैन, उपाध्यक्ष, महावीर कासलीवाल, कोषाध्यक्ष,राकेश छाबड़ा, संयुक्त मंत्री, विमल छाबड़ा समिति के सदस्य नरेश कासलीवाल, लोकेश जैन, अंकुर पाटोदी, विपिन सेठ, व सुरेश सेठ, राजकुमार पाण्डया , नरेंद्र सेठी,

जितेन्द्र मोहन जैन,कमल चांदवाड, अशोक पाटोदी, सुनील लुहाड़िया, भागचन्द अनोपडा, विजय पांड्या, पदम चंद सोगानी, हीरा जैन, मुकेश रारा, विनोद अजमेरा, अशोक अजमेरा, दीपचंद जैन, संजय सोगानी, महेन्द्र जैन, नितिन, नितेश छाबड़ा, नवीन बज, राजकुमार पाटनी, सतीश चंद छाबड़ा , अभय लुहड़िया, गौरव जैन, विशाल झाझंरी, सुशील सौगाणी, सुनीत जैन महिला मंडल की बबीता लुहाड़िया, वंदना अजमेरा, सुनिता कासलीवाल, उर्मिला छाबड़ा, मनोरमा चांदवाड़, सहित बड़ी संख्या में समाज बन्धु उपस्थित थे।

नरेश कासलीवाल
प्रचार प्रभारी (राजस्थान अंचल)
अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद

संवाद करते हैं जयेश की दृष्टि और संवेदना के दृश्य 'पर्सपेक्टिव' फोटो प्रदर्शनी में

सात दिनी प्रदर्शनी में तीन दर्जन से अधिक चित्राकृतियां लुभाएंगी आमजन को

उदयपुर. शाबाश इंडिया

गुजरात राज्य ललित कला के सौजन्य से राजकोट-गुजरात के प्रसिद्ध फोटोग्राफर जयेश नवीनचंद्र शाह की एकल फोटो प्रदर्शनी 'पर्सपेक्टिव' का शुभारंभ शुक्रवार को गणगौर घाट स्थित बागोर हवेली कला वीथी में हुआ। इसका उद्घाटन इंदौर के ख्यात फोटोग्राफर गुरुदास दुआ एवं गुजरात के प्रतिष्ठित चित्रकार देवजी भाई श्रीमाली ने किया। प्रदर्शनी में प्रस्तुत छायाचित्रों के माध्यम से फोटोग्राफर जयेश शाह ने कैमरे की नजर से पानी में प्रतिबिंब, चट्टानों तथा पेड़ के कटे तने पर उभरी आकृतियां, भित्ति चित्र सहित विविध सामान्य दृश्यों को अनोखे दृष्टिकोण से बेहद प्रभावी अंदाज में प्रस्तुत किया है, जो दर्शकों को सोचने और महसूस करने के लिए प्रेरित करते हैं। उद्घाटन अवसर पर कला, संस्कृति और फोटोग्राफी से जुड़े पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के कार्यक्रम अधिशासी हेमन्त मेहता, इंदौर के वरिष्ठ छायाकार कैलाश व गरिमा सोनी, अनीता दुआ के साथ-साथ युवा चित्रकार डॉ. दीपिका माली, सुनील निमावत, शर्मिला राठौड़, वीरांगना सोनी, गौरव शर्मा और शकील मोहम्मद उपस्थित रहे। बता दें, यह प्रदर्शनी 18 दिसम्बर 2025 तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक आमजन के अवलोकनार्थ निःशुल्क खुली रहेगी।

रिपोर्ट एवं फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'

10वीं अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य मनोविज्ञान सम्मेलन दूसरा दिन

वक्ताओं ने स्वास्थ्य मनोविज्ञान, ऑमानसिक कल्याण, व्यवहारिक हस्तक्षेप और उभरते मनोवैज्ञानिक आयामों पर अपने विचार व्यक्त किए

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में आयोजित 10वीं अंतरराष्ट्रीय भारतीय स्वास्थ्य मनोविज्ञान सम्मेलन का दूसरा दिन अत्यंत ज्ञानवर्धक और उत्साहपूर्ण रहा। दूसरे दिन की शुरूआत महत्वपूर्ण पूर्ण सत्रों के साथ हुई। इन सत्रों का शुभारंभ चेयरपर्सन मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय प्रो. प्रेरणा पुरी व बी.एच.यू प्रो. संदीप कुमार द्वारा किया गया। विभिन्न अध्यक्षों तथा आमंत्रित अतिथियों ने स्वास्थ्य मनोविज्ञान, ऑमानसिक कल्याण, व्यवहारिक हस्तक्षेप और उभरते मनोवैज्ञानिक आयामों पर अपने विचार व्यक्त किए। विशेषज्ञों ने बदलते सामाजिक परिवेश में मनोविज्ञान की भूमिका, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता तथा अनुसंधान की दिशा पर विशेष प्रकाश डाला। सम्मेलन के दौरान लगभग 400 शोध प्रस्तुतियां दी जाएगी, जिनमें विविध समकालीन विषयों पर महत्वपूर्ण निष्कर्ष और भविष्य की दिशा प्रस्तुत की गई।

प्रस्तुतियों के प्रमुख थीम थे

स्वास्थ्य देखभाल में पारंपरिक एवं वैकल्पिक प्रणाली का एकीकरण। संगठनात्मक व्यवहार और समग्र स्वास्थ्य। खेल, व्यायाम, आहार एवं जीवनशैली का मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव। तनाव से जुड़े वर्तमान मुद्दे, निपटान रणनीतियाँ एवं प्रबंधन। डिजिटल युग में साइबर अपराध

दूसरे दिन के कार्यक्रमों ने यह स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य मनोविज्ञान का क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है और आने वाले वर्षों में इसमें अनुसंधान व व्यावहारिक कार्यान्वयन की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। सम्मेलन का यह चरण प्रतिभागियों के लिए सीखने, साझा करने और नए दृष्टिकोण विकसित करने का महत्वपूर्ण अवसर साबित हुआ। सम्मेलन आर. सी. आई. पंजीकृत है जिसमे प्रतिभागियों को प्रत्येक दिवस 8 CRI पॉइंट्स दिए जाएंगे, कुल 16 पॉइंट्स प्राप्त करना अनिवार्य हैं।

तीर्थंकर एक, मंत्र एक, लक्ष्य एक – फिर पंथों के नाम पर यह स्थायी षड्यंत्र क्यों

हमारे २४ तीर्थंकर एक हैं, उनकी आत्मा की यात्रा एक है, उनका संदेश एक है और उनका उद्देश्य केवल आत्मा को बंधनों से मुक्त करना है। हमारा नवकार मंत्र एक है, जिसमें न दिगंबर का नाम है, न श्वेतांबर का, न किसी गच्छ का, न किसी संप्रदाय का; उसमें केवल गुणों का वंदन है, पद का नहीं। हमारा एकमात्र लक्ष्य मोक्ष मार्ग है, फिर यह दिगंबर और श्वेतांबर का विभाजन क्यों, किसने किया और किसके लाभ के लिए आज भी जिंदा रखा जा रहा है। यह अब किसी ऐतिहासिक भूल का परिणाम नहीं रहा, बल्कि वर्तमान का सुनियोजित षड्यंत्र बन चुका है, जिसे कुछ विघटनकारी साधु और उनके इर्द-गिर्द खड़ा पूरा तंत्र लगातार पोषित कर रहा है। इन लोगों ने धर्म को साधना से उतारकर पाखंड, आडंबर, आयोजन, मंच, माइक और चंदे की दुकान बना दिया है। इनकी पहचान, प्रतिष्ठा और प्रभाव इसी पर निर्भर है कि जैन समाज बंटा रहे, भ्रमित रहे और सवाल पूछने से डरे। इसलिए कभी वस्त्र को मुद्दा बनाया जाता है, कभी मूर्ति-विधि को, कभी परंपरा को और कभी कथित मर्यादा को, ताकि साधारण जैन सच्चे मोक्ष मार्ग से भटकता रहे और इनकी दुकान निर्बाध चलती रहे। अगर सच में धर्म बचाना है और जैन एकता को कायम करना है तो सबसे पहले इन्हीं विघटनकारी साधुओं की पाखंडपूर्ण आडंबर और विभाजनकारी दुकानों को बंद करना होगा। यह काम केवल भाषणों, प्रस्तावों या औपचारिक सम्मेलनों से नहीं होगा, इसके लिए समाज को साहसिक और कठोर निर्णय लेने होंगे। ऐसे साधुओं को मंच देना बंद करना होगा, उनके नाम पर होने वाले दिखावटी आयोजनों का बहिष्कार करना होगा और स्पष्ट कहना होगा कि जो जैन समाज को बाँटता है, वह किसी भी वेश में क्यों न हो, वह धर्मरक्षक नहीं बल्कि धर्म का सौदागर है। एकता का अर्थ यह नहीं कि गलत को सह लिया जाए, बल्कि यह है कि धर्म के नाम पर चल रहे झूठ, भय और वर्चस्व को खुलकर नकारा जाए। जैन समाज को यह समझना होगा कि तीर्थंकरों ने कभी पंथों की दीवारें नहीं खड़ी कीं, दीवारें उन लोगों ने खड़ी कीं जिन्हें अपनी दुकान बचानी थी। जब समाज यह ठान लेगा कि उसे मोक्ष मार्ग चाहिए, न कि पंथीय सत्ता; साधना चाहिए, न कि पाखंड; और आत्मशुद्धि चाहिए, न कि दिखावा – उसी दिन दिगंबर और श्वेतांबर की दीवारें अपने आप गिरने लगेंगी। यह संघर्ष किसी पंथ के विरुद्ध नहीं, बल्कि जैन धर्म को बचाने और आने वाली पीढ़ियों को एकजुट, निर्भीक और विवेकशील जैन समाज देने का संघर्ष है, और यह संघर्ष अब टाला नहीं जा सकता।

– नितिन जैन, संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा), जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल, मोबाइल: 9215635871

अमेरिका, कनाडा की जैन समाज द्वारा गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की ऐतिहासिक गुणानुवाद सभा का आयोजन

अयोध्या. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के द्वारा सर्वोच्च जैन साध्वी गणिनीप्रमुख आर्यिकाशिरोमणि श्री ज्ञानमती माताजी के प्रति अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गुणानुवाद सभा 12 दिसम्बर 2025, शुक्रवार को प्रातः 6 बजे ऑनलाइन भगवान ऋषभदेव जूम चैनल के माध्यम से आयोजित की गयी। समस्त कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रातः 6 बजे से 8.30 बजे तक पारस चैनल के माध्यम समूचे विश्व में प्रसारित किया गया। युवा परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीवन प्रकाश जैन के अनुसार सभा में अमेरिका एवं कनाडा से 300 परिवारों ने जुड़कर पूज्य माताजी के प्रति अपनी भक्ति समर्पित की। राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन जयपुर ने अवगत कराया कि कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जीवन प्रकाश जैन के द्वारा किया गया। सर्वप्रथम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कमलेश भाई शाह-नार्थ कैरोलिना (अमेरिका) के द्वारा उपस्थित सभी भक्तों के प्रति स्वागत उद्बोधन दिया गया। पश्चात्इस अवसर पर दीप प्रज्ज्वलन के माध्यम से अमेरिका के 15 जैन सेंटर्स के प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में न्यूजर्सी, न्यूयार्क, फ्रैंकलिंक, बोस्टन, वॉशिंगटन डी.सी., वर्जिनिया, नॉर्थ करोलिना, अटलांटा, फ्लोरिडा, शिकागो, डलास, टेक्सास, केलीफोर्निया, कनाडा, कैलेग्री जैसे स्थानों की जैन समाज से अध्यक्ष, मंत्री आदि पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित किया और सभी सेंटर्स के सैकड़ों भक्तजन उपस्थित रहे। मुख्यरूप से इस अवसर पर विभिन्न भक्तों के द्वारा पूज्य माताजी के प्रति अपनी-अपनी ओर से माताजी का गुणानुवाद किया गया। गुणानुवाद समर्पण में न्यूजर्सी से श्री विजय भाई शाह (अध्यक्ष-जैन समाज ऑफ यू.एस.ए.), श्री राजीव भाई शाह (सचिव), श्री सनत भाई शाह (उपाध्यक्ष), न्यूयार्क से श्री हिमांशु-मिनाक्षी शाह, कैलीफोर्निया से श्री अशोक जी सेठी, वाशिंगटन डी.सी. श्री प्रद्युम्न-धनलक्ष्मी जवेरी, कैरोलिना से श्री कमलेश भाई-तृप्तिबेन शाह, श्रीमती बेला शाह, अटलांटा से श्री सुनील जी-रितु दोशी, कैलेग्री-कनाडा से श्री तरुण जी जैन व श्री सुबोध जी पेरामानू आदि महानुभावों ने गुणानुवाद वक्तव्य प्रस्तुत किये। अंत में सर्वोच्च जैन साध्वी गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने सभी को हर्षपूर्ण मंगल आशीर्वाद प्रेषित किया और कहा कि आप सभी लोग भारत की धरती से जुड़े हुए हैं, लेकिन विदेश में रहते हुए भी सभी ने अपने भारतीय संस्कार और जैनधर्म को अपने जीवन में बनाये रखा है, यह अत्यन्त अनुमोदनीय है। पूज्य माताजी ने कहा कि इसी प्रकार जैनधर्म की सेवा करके प्रचार-प्रसार और प्रभावना के साथ सभी भक्तजन अपनी आत्मा का कल्याण करते रहें, यही सभी के लिए आशीर्वाद है। कार्यक्रम में प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी द्वारा भी समस्त विदेशी महानुभावों को आशीर्वाद उद्बोधन दिया गया। अंत में श्री कमल कासलीवाल-मुम्बई शाखा के गौरव अध्यक्ष द्वारा सभी अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री श्री उदयभान जैन-जयपुर, पदम बिलाला जयपुर प्रान्तीय अध्यक्ष धर्म जाग्रति संस्थान राजस्थान प्रान्त आदि भी ऑनलाइन उपस्थित रहे। इस अवसर पर भारतीय समयानुसार प्रत्येक शुक्रवार को प्रातः 6.30 बजे पूज्य माताजी द्वारा विभिन्न विषयों पर विदेशी जैन समाज के भक्तों के लिए मंगल प्रवचन आयोजित करने हेतु भी युवा परिषद द्वारा घोषणा की गयी। **प्रेषक : उदयभान जैन जयपुर**

अतिशय क्षेत्र कोटखावदा में जयकारों के बीच हुआ शिखर कलशारोहण-जिन धर्म की प्रभावना हेतु लगाई ध्वजा

कोटखावदा. शाबाश इंडिया। कोटखावदा के बडा बास स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र में शनिवार को मंदिर के शिखरों पर जयकारों के बीच कलशारोहण किया गया। इस मौके पर शिखरों पर धर्म ध्वजा भी फहराई गई। राजस्थान जैन सभा के उपाध्यक्ष एवं कोटखावदा अतिशय क्षेत्र कमेटी के सदस्य विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक अध्यक्ष महावीर गंगवाल एवं महामंत्री पंकज वैद के नेतृत्व में प्रातः श्री जी के अभिषेक के बाद विश्व शांति की कामना करते हुए शांतिधारा की गई। विद्वान महावीर अजमेरा के निर्देशन में प्रातः 10.00 बजे शुभ मुहुर्त मे मंत्रोच्चार से कलशों का शुद्धिकरण किया गया। तत्पश्चात अष्ट द्रव्य से कलशारोहण की पूजा अर्चना की गई। समाजश्रेष्ठी प्रदीप कुमार पंकज वैद परिवार द्वारा शिखर कलशारोहण का पुण्यार्जन किया गया।भगवान आदिनाथ के जयकारों के बीच शिखरों पर नवीन कलश स्थापित किये गए। इस मौके पर धर्म ध्वजा भी शिखरों पर फहराई गई। इस मौके पर भक्तामर स्तोत्र का पाठ एवं विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र का नो बार सामूहिक उच्चारण किया गया। महाआरती के बाद समापन हुआ। अमन जैन कोटखावदा के मुताबिक इस मौके पर भाग चन्द पाटोदी, शांति चांदवाड, अशोक पाटोदी, दिनेश वैद, सुभाष वैद, दीपक वैद, राजेश वैद सहित बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।